65303

Third Semester B.C.A. Degree Examination, November/December 2019

(CBCS)

Hindi Language

Paper III – NATAK, ARTH GRAHAN AUR SANKSHEPAN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 70*

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. युगे युगे क्रांति नाटक के नाटककार कौन है?
2. मंच पर आये हुए लोग स्वयं को क्या कहते थे?
3. पहला व्यप्ति किस युग का प्रतिनीधित्व करता है?
4. कल्याणसिंह किसे पाप समझता है?
5. प्यारेलाल किस प्रचा का विरोधी है?
6. लाला सगुनचंप की बेटी कौन है?
7. समय के साथ आगे बढ़ जाने से क्रांति क्या बन जाती है?
8. शारदा को घर में रहनें की सलाह कौने देता है?
9. अनिरूद्व के अनुसार कौन सी प्रथा सड़ गई है?
10. जैनेट के बाबा बहले क्या थे?

SRI BHAGAWAN MAHAVEER JAIN FIRST GRADE COLLEGE KGF - 563 122

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2 × 7 = 14)**

1. नारी की शोभा कोमलता और सुंदरता है। पौरुष और वाचालता नहीं।
2. नाम बदल जाने से गुण और दोष नहीं बदल जाते बदल सकते तो आज हर बुरी चीज के अच्छे नाम रख दिये जाते।
3. पुरुष को जब एक से अधिक शादी करन का अधिकार है, तो नारी ने ही कौन सा अपराध किया है?

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1 × 16 = 16)**

युगे – युगे क्रांति नाटक कारक का सारांश लिखकर, उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

इस नाटक में लेखक ने किन सामाजिक समस्याओ को उठाया है? विस्तार से समझाइए।

SRI BHAGAWAN ... R JAIN FIRST GRADE COLLEGE KGF - 563 122

IV. किसी **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. शारदा
2. देवीप्रसाद
3. कल्याणसिंह

V. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढकर दियेगये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(1 × 10 = 10)**

हमारे पूर्वजों ने वृक्ष के महत्व को समझा था। तुलसी, आंवला, बहेला, अशोक विल्व, पीपल आदि वृक्षों की पूजा का विधान बनाया। नीम के बारे में 'सर्व रोग विनाशक' कहा गया। पेड लाना पुण्य और काटना पाप बताया गया। भारत में वनों का विनाश अंग्रेजो के आने बाद शुरु हुआ। जब आमानूस और भहोगनी कीमती लकड़ी का समाया कर दिया गया। रेल के स्लीपरों के लिए टीक–सागौन की अंधा धुंध कटाई हुई। तारपीन का तेल और षिरौजा प्राप्त करने के लिए पहाड़ो पर देवदार के स्थान पर सत्यानाशी 'चीड' लगाया गया। इससी ओर अंग्रेजो ने छोटि – छोटि वनखंड की सुरक्षा का भार गांवो की पतचायत को सौंप रखा था। आजादी के बाद ये प्रांत सरकारों की संपदा हो गये। विकास के नाम पर जंगल साल किये गये। सहीं कारण है कि उत्तरांचल के पर्पतीय लोगों ने। "चिपको आंदोलन" चलाकर वनों की कटाई को चुनौति दी। जोधपुर में भी विश्नोई जाति ने "खेजेड" के वृक्षों की रक्षा के लिए ऐसा ही आंदोलन चलाया था। आज भी ये समझना जरूरी होकि वन संरक्षण आने पात्ती पीढ़ी को बचाने लिए अनिवर्य है। यह हमें केवल आकशीजन ही नहीं देते वरन् फल, फूल, बूज, तेल और लकड़ी भी इनसे प्राप्त होती है।

1. सभी रोगों का विनाशक किस पृक्ष के माना गया है?
2. पूर्वजों ने किन वृक्षों की पूजा का विधान बनाया?
3. देवदार के स्थान पर कौन सा वृक्ष पहाड़ो पर लगाया गया?

4. आजादी के बद वनखंड किसकी संपत्ति हो गये?

5. रेल के स्लीपरों की लिए किसकी कटाई शुरु हो गयी?

6. चिपको आंदोलन किसने चलाया?

7. अंग्रेजों ने कौन सी लकड़ी का सालाया कर दिया?

8. खेजड़े के वृक्षों को बचाने के लिए किसने आंदोलन चलाया था?

9. 'विनाश' शब्द का विलोम लिखिए।

10. 'संपदा' शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1 × 10 = 10)**

आज के युग में प्रदुषण की समस्या विज्ञान की देन है। अब वैज्ञानिकों को ही उसका हल नहीं मिल रहा है? मानव ने सोचा तेज गति के वाहन से दूरी कम होगी। लेकिन उससे निकलने वाले धुंए से हवा प्रदूषित होगी। मे मालूम नहीं था। कारखोनों से विकास होगा, शहर बनेगें पर मांव और खेती पर असर पड़ेगा इसकी और ध्यान नहीं दिया गया। कारखानों से जहरीला बनाते हैं। लगातार शोरगुल के महौल में रहते हुए मानव अनेक मानसिक रोग का शिकार हो रहा हैं तथा उसकी सुनने की क्षमता पर बुरा असर पड़ रहा है। 5 जून को केवल पर्यावरण दिवस मागना ही काली नहीं है वरन् हमें प्रतिदिन प्रकृति के करीब जाने का प्रयास करना होगा।

(शब्द संख्या लगभग 160)